an>

title: Need to check the activities of self-proclaimed cow protection groups in the country.

श्री रवनीत सिंह (लुधियाना) : अध्यक्ष महोदया, हम सब गौरक्षक हैं और हम सब गाय की सेवा भी करते हैं। आज देश में एक बहुत बड़ा मुद्दा गाय का बना हुआ है। लेकिन मैं आपके माध्यम से पंजाब के किसान की तकलीफ को इस सदन में उठाना चाहता हूं। आप सब जानते हैं कि पंजाब का किसान पहले ही, पैदावार कम होने की वजह से या लैंड होल्डिंग्स होने की वजह से सहायक धंधों, जैसे डेयरी फार्मिंग, मुर्गी फार्मिंग पर निर्भर कर रहे हैं। चाहे मध्य प्रदेश, गुजरात या आंध्र प्रदेश हो, एक साल में अच्छी ब्रीड की तीन लाख गाय, जो हमने वर्ष 1990 में क्रॉसब्रीड करके जर्सी गाय तैयार की थी, उसे बेच रहे हां अगर हम अमेरिका या यूरोपियन कंट्रीज की बात करें, तो उनकी गाय से ज्यादा इस गाय से दूध प्रोडेक्शन होता है। उस गाय की 40 लीटर से लेकर 65 लीटर तक प्रोडेक्शन है। हमारा किसान इस कारण बचा हुआ था, क्योंकि वह दूसरे स्टेट्स को जो गाय बेच रहा था, उसकी उसे अच्छी कीमत मिलती थी। उसे तकरीबन एक गाय का 65 हजार रुपये से 1 लाख रुपये मिलता था।

अध्यक्ष महोदया, पंजाबियों का दूसरा धंधा ट्रांसपोर्ट है। मैं कहना चाहता हूं कि आज ये दोनों धंधे बहुत बड़े खतरे में हैं। एक आर्गनाइज्ड क्राइम है, जो हर रोज ट्रांसपोर्ट्स के पास जाते हैं, उनसे महीने में एक ट्रक के दो लाख रुपए माँगते हैं। आज इन डेयरी फार्मर्स की संख्या लाखों में है। तकरीबन 65 सौ बड़े फार्मर्स और अनगिनत छोटे किसान यह काम करते हैं। आज 10 हजार गायों का आर्डर बंगलादेश और नेपाल से है।

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि किसानों की खेती पहले ही फेल हो चुकी है। वहां लोग नशे के दलदल में फंसे हुए हैं। अगर इन डेयरी फार्मर्स, पंजाबियों को तथाकथित गौ रक्षकों के चंगुल से निकालना है, तो एग्रीकल्चर मिनिस्ट्री या होम मिनिस्ट्री को इससे बचाना चाहिए। यह आर्ग्नाइज्ड क्राइम है, एक टेरोरिज्म की तरह है, इसलिए इनसे उन्हें बचाना चाहिए। मैं इस संबंध में आपकी मदद चाहता हूं।